१०. मानवीय बस्ती

करके देखो

नीचे दिए गए चित्र की चौखट में मानवीय बस्ती कहाँ हो सकेगी ? इसका अनुमान लगाओ और उस स्थान पर बस्ती दिखाओ। *(शिक्षकों के लिए सूचना : विद्यार्थियों द्वारा किए गए अनुमान और निष्कर्षों तथा चित्रों के नीचे दिए गए प्रश्नों के आधार पर कक्षा में चर्चा करवाएँ।)*

आकृति १०.१ : परिसर में बस्तियाँ दिखाओ

चित्र में दिखाई गई बस्तियाँ उसी स्थान पर क्यों दिखाईं ? उन बस्तियों के वहाँ होने का क्या कारण है ? अन्य स्थान पर वे न दिखाने का क्या कारण है ?

बताओ तो

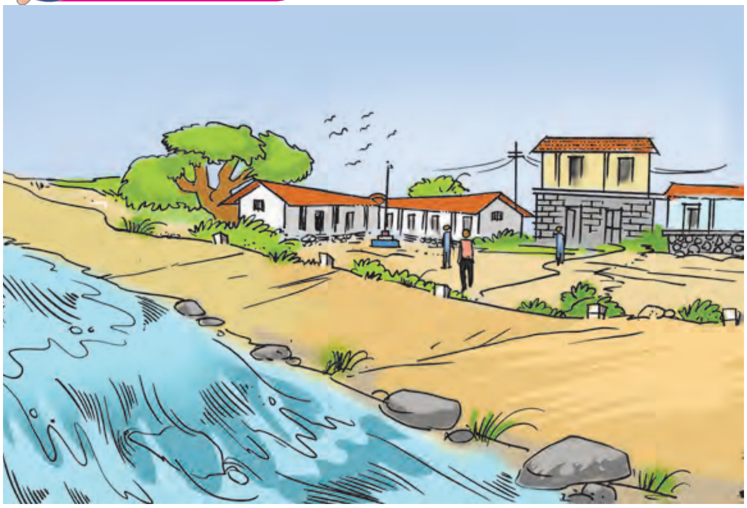

आकृति १०.२ (अ) :

आकृति १०.२ (ब) :

आकृति १०.२ (क) :

आकृति १०.२ (ड) :

आकृति १०.२ (अ,ब,क,ड) चित्रों का निरीक्षण करो। उसपर विचार करो और निम्न प्रश्नों के उत्तर दो।

- चित्रों में क्या-क्या दिखाई दे रहा है?
- इनमें से तुम किन-किन बातों से परिचित हो?
- किस चित्र में विरल बस्ती है?
- किस चित्र में खेती दिखाई दे रही है?
- किस चित्र में घनी जनसंख्यावाली बस्ती दिखाई दे रही है?
- किस चित्र में गगनचुंबी इमारतें दिखाई दे रही हैं?
- ऊपर दिए गए चित्रों को निम्न में से उचित नाम दो। ग्रामीण बस्ती, आदिवासी पाड़ा, नगर, महानगर
- बस्तियों में दिखाई देने वाले विकास के अनुसार चित्रों का क्रम लगाओ।

भौगोलिक स्पष्टीकरण

जल की उपलब्धता, आह्लाददायक जलवायु, उपजाऊ भूमि जैसे अनुकूल भौगोलिक घटकोंवाले परिवेश में मानवीय बस्तियाँ विकसित होती हैं।

बस्तियों के प्रारंभिक काल में प्रदेश में उपलब्ध संसाधनों के आधार पर व्यवसाय निश्चित होते गए और उन्हीं के आधार पर विशिष्ट कार्य करने वाले समूहों की अपनी स्वतंत्र बस्ती का निर्माण होता गया। जैसे- समुद्री तट पर रहने वाले लोगों का व्यवसाय मछली पकड़ना है और उनकी बस्ती अर्थात कोलीवाड़ा (मछुआरों की बस्ती)है। वन प्रदेश में रहने वाले लोगों का व्यवसाय वन से प्राप्त उत्पादनों पर आधारित होता है। यहाँ रहने वाले आदिवासियों की बस्ती को पाड़ा कहते हैं। उपजाऊ भूमिवाले स्थान पर कृषि कार्य किया जाता है। किसानों के परिवार अपने व्यवसाय की सुविधा की दृष्टि से खेतों में ही घर बनाकर रहते हैं। इसे ही बस्ती शब्द से संबोधित किया जाता है। कालांतर में बस्ती का विस्तार हुआ अर्थात उसे वाड़ी कहा जाने लगा। जिस बस्ती के अधिकांश लोगों के व्यवसाय वहाँ के स्थानीय प्राकृतिक संसाधनों से जुड़े हुए होते हैं; जैसे- कृषि, मत्स्य व्यवसाय, खदानकार्य आदि । उस बस्ती को ग्रामीण बस्ती कहते हैं।

ग्रामीण बस्ती में मूल व्यवसाय के साथ-साथ अन्य पूरक व्यवसायों की भी वृद्धि होती जाती है। अतः वहाँ रोजगार पाने हेतु आसपास के प्रदेशों से लोगों का आना प्रारंभ होता है और वे वहीं स्थायी हो जाते हैं। इस कारण मूल ग्रामीण बस्ती की जनसंख्या में वृद्धि होती जाती है। बढ़ती जनसंख्या को रहने के लिए आवास तथा अन्य विविध सुविधाएँ विकसित की जाने लगती हैं। ऐसी बस्ती में द्वितीयक व तृतीयक व्यवसायों का महत्व और व्यापकता बढ़ती है। इसकी तुलना में प्राथमिक व्यवसायों की मात्रा कम होती जाती है। फलतः ग्रामीण बस्ती का रूपांतरण नगरीय बस्ती में हो जाता है। धार्मिक, ऐतिहासिक, व्यापारिक, शैक्षणिक, पर्यटन एवं प्रशासनिक आदि कारणों से धीरे-धीरे मूल बस्ती का नगरों में रूपांतरण हो जाता है। बड़े पैमाने पर जनसंख्या और अन्य साधन-सुविधाओं में वृद्धि होने से ये नगर आगे चलकर महानगर बन जाते हैं।

बताओ तो

आकृति १०.३ का निरीक्षण कर निम्न प्रश्नों के आधार पर चर्चा करो।

- चित्र 'अ' की मानवीय बस्ती और चित्र 'ब' की मानवीय बस्ती में क्या अंतर है?
- चित्र 'ब' और 'क' की मानवीय बस्तियों में कौन-सा अंतर दिखाई देता है?
- दो से कम मकानों वाली बस्ती कहाँ दिखाई देती है?
- तुम जिस बस्ती में रहते हो; वह बस्ती उपरोक्त में से किस समूह में आती है?

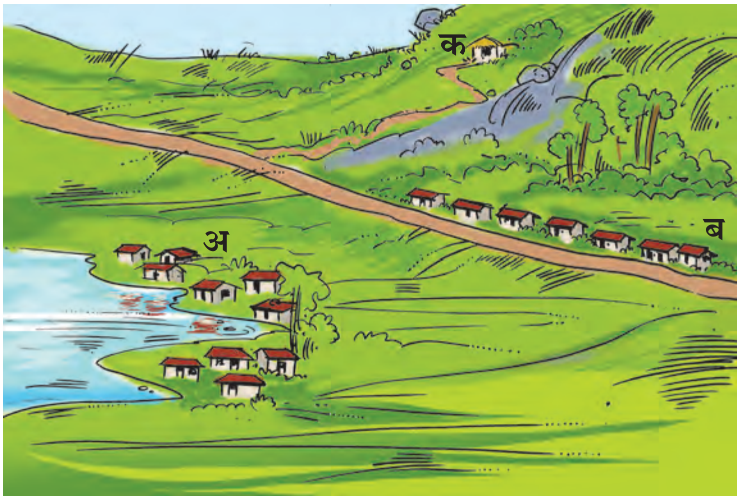

आकृति १०.३ : बस्ती का प्रकार

मानचित्र से मित्रता

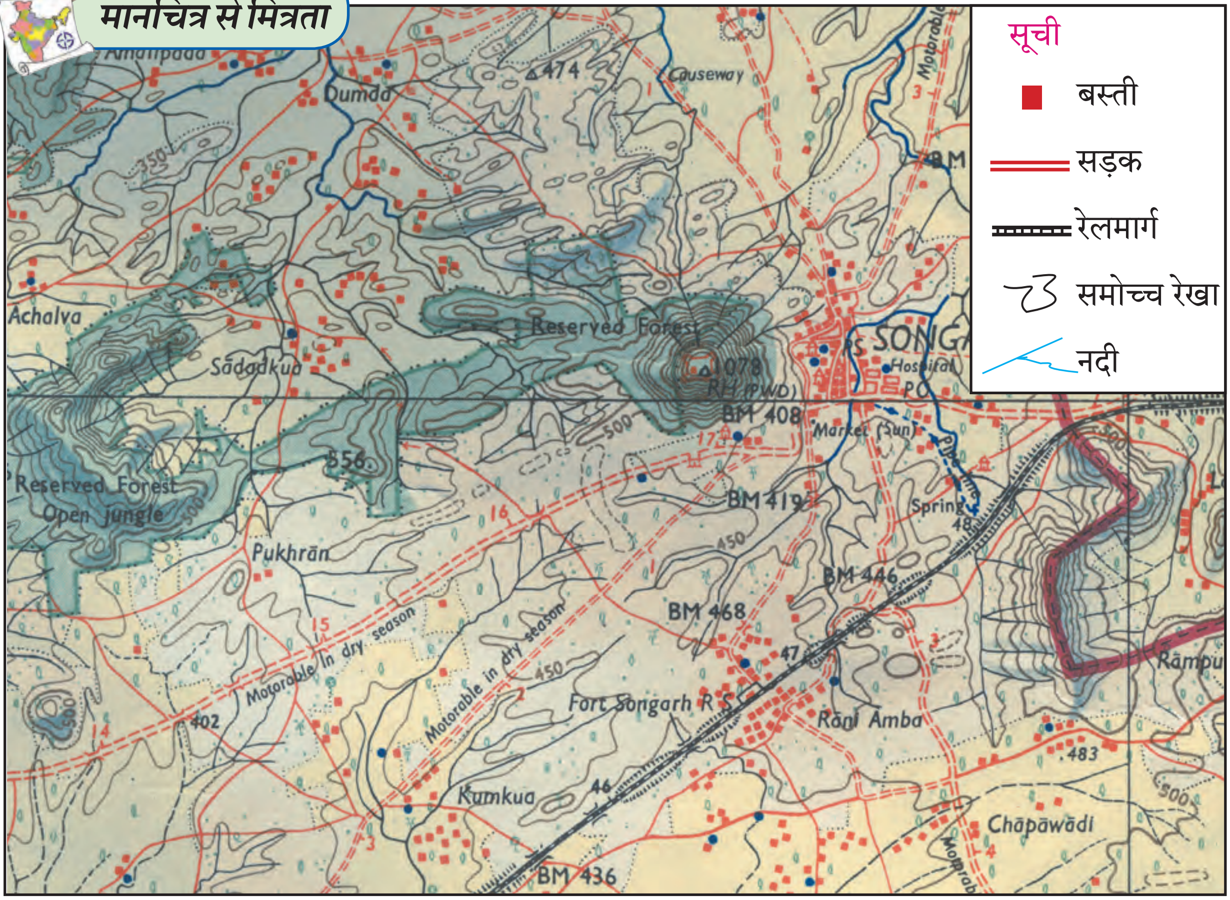

आकृति १०.४: स्थल दर्शक मानचित्र का भाग

आकृति १०.४ का निरीक्षण करो और प्रश्नों के उत्तर बताओ।

- मानचित्र में दर्शाई गईं बस्तियों के नाम बताओ।
- मानचित्र में किन स्थानों पर बस्तियाँ बिखरी हुई स्थिति में हैं ?
- सड़कों के किनारे स्थित बस्तियों में मकानों की संरचना कैसी है?
- घनी बस्ती कहाँ है? उस बस्ती के वहाँ सघन होने के क्या कारण हैं?
- बस्तियों का वर्गीकरण करो।

विविध बस्तियों का विचार करने पर यह ध्यान में आता है कि मानव अलग-अलग प्राकृतिक परिस्थितियों में बस्ती बनाकर रहता है तथा वहाँ की प्रकृति से समन्वय साध लेता है। प्राकृतिक स्थिति के अनुसार मानवीय बस्तियों के प्रतिरूप (पैटर्न) बनते जाते हैं। इस पाठ में हम मानवीय बस्तियों के प्रतिरूप और उसके कारणों का अध्ययन करेंगे।

भौगोलिक स्पष्टीकरण

परिसर में उपलब्ध साधन सामग्री का उपयोग कर मानव मकान बनाकर रहने लगा। मानव ने विज्ञान युग में आवासीय साधनों में बहुत प्रगति की है। परिस्थिति के अनुसार वह ऊँचे-ऊँचे मकान बनाकर रहने लगा। वर्तमान समय में तो मानव अन्य ग्रहों और उपग्रहों पर अपनी बस्तियाँ बनाने का विचार कर रहा है।

बस्तियों के कारण मानव को स्थायीत्व प्राप्त हुआ। ग्रामीण बस्ती मानवीय संस्कृति के स्थायीत्व की प्रथम सीढ़ी है। ग्रामीण बस्तियों के विकास और वृद्धि द्वारा नगरीय बस्तियाँ बनती गईं। ग्रामीण बस्तियाँ संस्कृति को जीवित रखती हैं। ग्रामीण जनसंख्या में होने वाली वृद्धि ही नगरीकरण का प्रारंभ है। नगरीय बस्तियाँ मानवीय जीवन को गतिशीलता प्रदान करती हैं। ग्रामीण और नगरीय बस्तियों में आर्थिक सहसंबंध बड़े पैमाने पर होता है। नगरीय बस्तियों के प्रतिदिन के खाद्यान्न विषयक आवश्यकताओं की पूर्ति ग्रामीण बस्तियाँ करती हैं। आधुनिकता और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के आधार पर ग्रामीण और नगरीय बस्तियों का कायाकल्प होता रहता है।

थोड़ा विचार करो

☞ **बस्तियों के विकास के दौरान कौन-कौन-सी प्रक्रियाएँ शुरू होती होंगी; उसका विचार करो और उनकी सूची बनाओ।**

बस्तियों के प्रकार एवं उनकी विशेषताएँ निम्नानुसार बताई जा सकती हैं।

बिखरी हुई बस्ती :

बिखरी हुई बस्ती में मकान दूर-दूर होते हैं और उनकी संख्या कम होती है। सामान्यतः इस प्रकार की बस्तियाँ ऊँचे-निचले प्रदेश, सघन वन, घास के प्रदेश, मरुभूमि तथा विस्तृत कृषि क्षेत्रवाले स्थानों पर पाई जाती हैं। (देखो-आकृति क्र. १०.५)

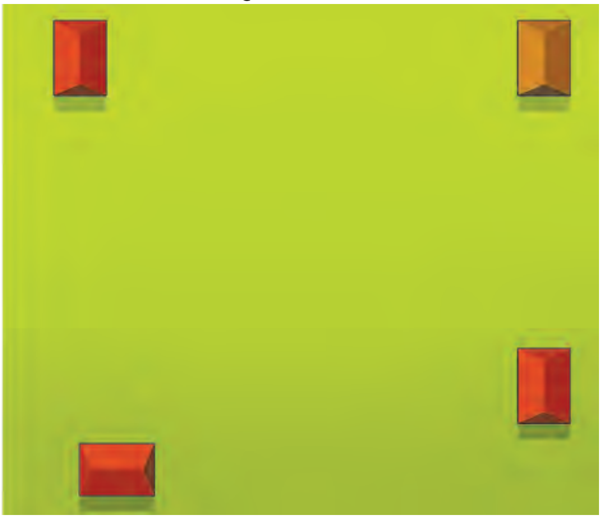

आकृति १०.५ :बिखरी हुई बस्ती

विशेषताएँ :

- बिखरी हुई बस्तियों के बीच की दूरी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।
- इन बस्तियों की जनसंख्या सीमित होती है। जैसे- पाड़ा, वाड़ी (बस्ती) आदि।
- इन बस्तियों में सेवा-सुविधाएँ पर्याप्त रूप में उपलब्ध नहीं होती हैं।
- ये बस्तियाँ प्राकृतिक पर्यावरण के निकट होने के कारण प्रदूषण मुक्त होती हैं।
- प्रतिदिन की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए ये बस्तियाँ कस्बों पर निर्भर रहती हैं।

केंद्रित बस्ती :

ये बस्तियाँ झरने, नाले, नदी, तालाब, झील जैसे जलस्रोतों के समीप होती हैं। राजस्थान जैसे मरुस्थलीय प्रदेश में जल की उपलब्धतावाले क्षेत्र में केंद्रीय बस्तियाँ पाई जाती हैं। सामान्यतः समतल और उपजाऊ भूमि, परिवहन केंद्र, अनुकूल जलवायु, खदान कार्य, व्यापार केंद्र आदि कारणों से इस प्रकार की बस्तियों का निर्माण होता है। इसके अलावा सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा सामाजिक एवं धार्मिक कारणों से एकत्रित बस्तियों का निर्माण हो सकता है। (देखो- आकृति १०.६)

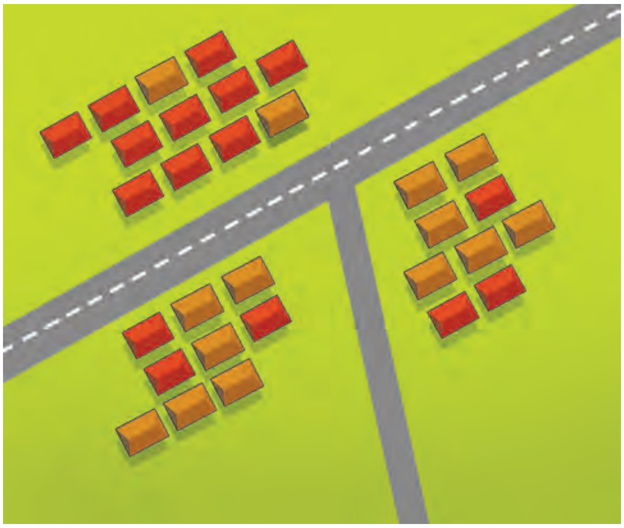

आकृति १०.६ : केंद्रित बस्ती

विशेषताएँ :

- इन बस्तियों में मकान पास-पास होते हैं।
- इन बस्तियों में सामाजिक सेवाएँ उपलब्ध रहती हैं।
- इन बस्तियों को स्थान एवं समयानुसार विशिष्ट आकार (स्वरूप) प्राप्त होता है।
- इन बस्तियों के पुराने अथवा मूल परिसर में सड़कें सँकरी होती हैं।
- इन बस्तियों में विविध जाति, धर्म, पंथ, वंश और विचारधारा के लोग एकत्रित होकर रहते हैं। फलतः ऐसी बस्तियों का सामाजिक जीवन स्वस्थ होता है।

रेखाकार बस्ती :

सड़क, रेल मार्ग, नदी, नहर, समुद्री किनारा, पर्वतीय प्रदेश की तलहटी आदि प्रदेशों के समीप रेखाकार बस्तियाँ पाई जाती हैं। ये बस्तियाँ आकार में सँकरी और सीधी रेखा में होती हैं। (देखो- आकृति १०.७)

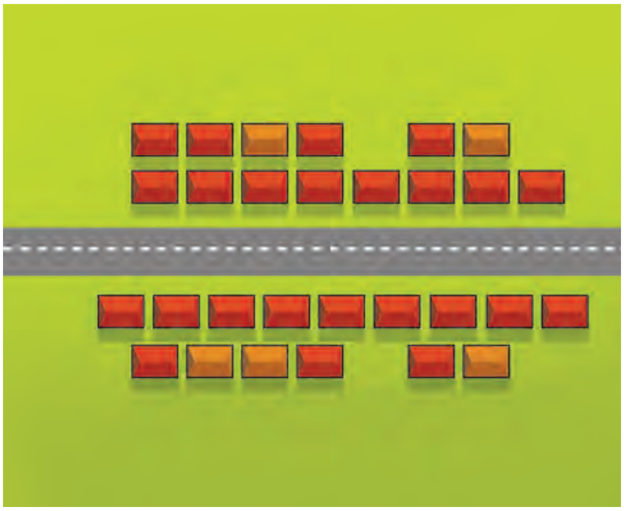

आकृति १०.७ : रेखाकार बस्ती

विशेषताएँ :

- इस प्रकार की बस्तियों में मकान प्रायः एक सीधी पंक्ति में होते हैं। बस्तियों के बढ़ते जाने से कालांतर में उसकी अनेक पंक्तियाँ बन जाती हैं।
- सड़कें एक दूसरे के समांतर होती हैं।
- मकानों के अलावा बस्तियों में कुछ दुकानें भी होती हैं।
- भविष्य में सड़कों की दिशा में इन बस्तियों का विस्तार होता जाता है। जैसे- भारत में तटवर्ती प्रदेशों, प्रमुख नदियों, राज्यों और राष्ट्रीय राजमार्गों के समीप इस प्रकार की बस्तियाँ पाई जाती हैं।

इसे सदैव ध्यान में रखो

मानवीय बस्तियों के स्थान को प्रभावित करने वाले घटक

प्राकृतिक	सांस्कृतिक	आर्थिक घटक
(१) भूसंरचना (२) भूमि/मृदा (३) जलवायु (४) शुष्क भूमि (५) जल आपूर्ति (६) नदी का किनारा	(१) सुरक्षा (२) स्वास्थ्य (३) शिक्षा (४) पर्यटन (५) ऐतिहासिक संदर्भ	(१) सिंचाई (२) व्यवसाय (३) यातायात और संचार माध्यम (४) उद्योग-धंधे (६) व्यापार (७) सरकारी कार्यालय

देखो भला, क्या हो पाता है

- भारत में महानगर कौन-से हैं?
- तुम जहाँ रहते हो, वह बस्ती उपरोक्त बस्तियों में से किस प्रकार में आती है, बताओ।

मैं और कहाँ हूँ ?

- तीसरी कक्षा- परिसर अध्ययन- पाठ ७- हमारा गाँव, हमारा शहर
- पाँचवीं कक्षा- परिसर अध्ययन-भाग १-पृष्ठ ४२

देखो भला, क्या हो पाता है

निम्न छायाचित्रों का निरीक्षण करो। उनमें दिखाई देने वाली मानवीय बस्तियों के प्रकारों को पहचानो और उस विषय की जानकारी लिखो।

स्वाध्याय

प्रश्न १. संक्षेप में उत्तर लिखो :

(१) मानवीय बस्ती के विविध प्रकारों को स्पष्ट करो।

(२) केंद्रित एवं बिखरी हुई बस्तियों की विशेषताएँ लिखो।

(३) मानवीय बस्तियों के स्थान को प्रभावित करने वाले विविध घटकों को स्पष्ट करो।

(४) मानवीय बस्तियों का प्रारंभ किस प्रकार हुआ होगा; इस विषय पर जानकारी लिखो।

(५) बस्ती और गाँव इन दो मानवीय बस्तियों में पाया जाने वाला अंतर स्पष्ट करो।

प्रश्न २. निम्न कथनों के आधार पर मानवीय बस्तियों के प्रकार पहचानो और लिखो :

(१) खेत में रहने से उनके समय और पैसों की बचत होती है।

(२) बस्ती में सामाजिक जीवन अच्छा होता है।

(३) सड़कों के दोनों ओर दुकानें होती हैं।

(४) यह बस्ती समुद्र तटवर्ती क्षेत्र और पहाड़ी तलहटी में होती है।

(५) प्रत्येक परिवार के मकान एक-दूसरे से दूर होते हैं।

(६) यह बस्ती सुरक्षा की दृष्टि से अच्छी होती है ।

(७) मकान दूर-दूर होने से स्वास्थ्य की दृष्टि से अच्छे होते हैं ।

(८) मकान एक-दूसरे से सटे हुए होते हैं ।

प्रश्न ३.ढाँचे का निरीक्षण कर नीचे दी गई जानकारी के आधार पर बस्तियों के प्रकार बताओ :

(अ) 'A' बस्ती में पाँच से छह घर हैं तथा गाँव में अन्य सुविधाएँ नहीं हैं ।

(आ) 'B' बस्ती में माध्यमिक विद्‌यालय, बड़ा बाजार और छोटा थिएटर है ।

(इ) 'C' बस्ती में मकान, खेती, अनेक दुकानें और उद्‌योग-धंधे हैं ।

(ई) 'D' बस्ती एक प्राकृतिक बंदरगाह है तथा वहाँ अनेक उद्‌योग-धंधे स्थापित हुए हैं ।

✻ 'C' यह रेखाकार बस्ती है। उसके वहाँ विकसित होने के दो कारण बताओ।

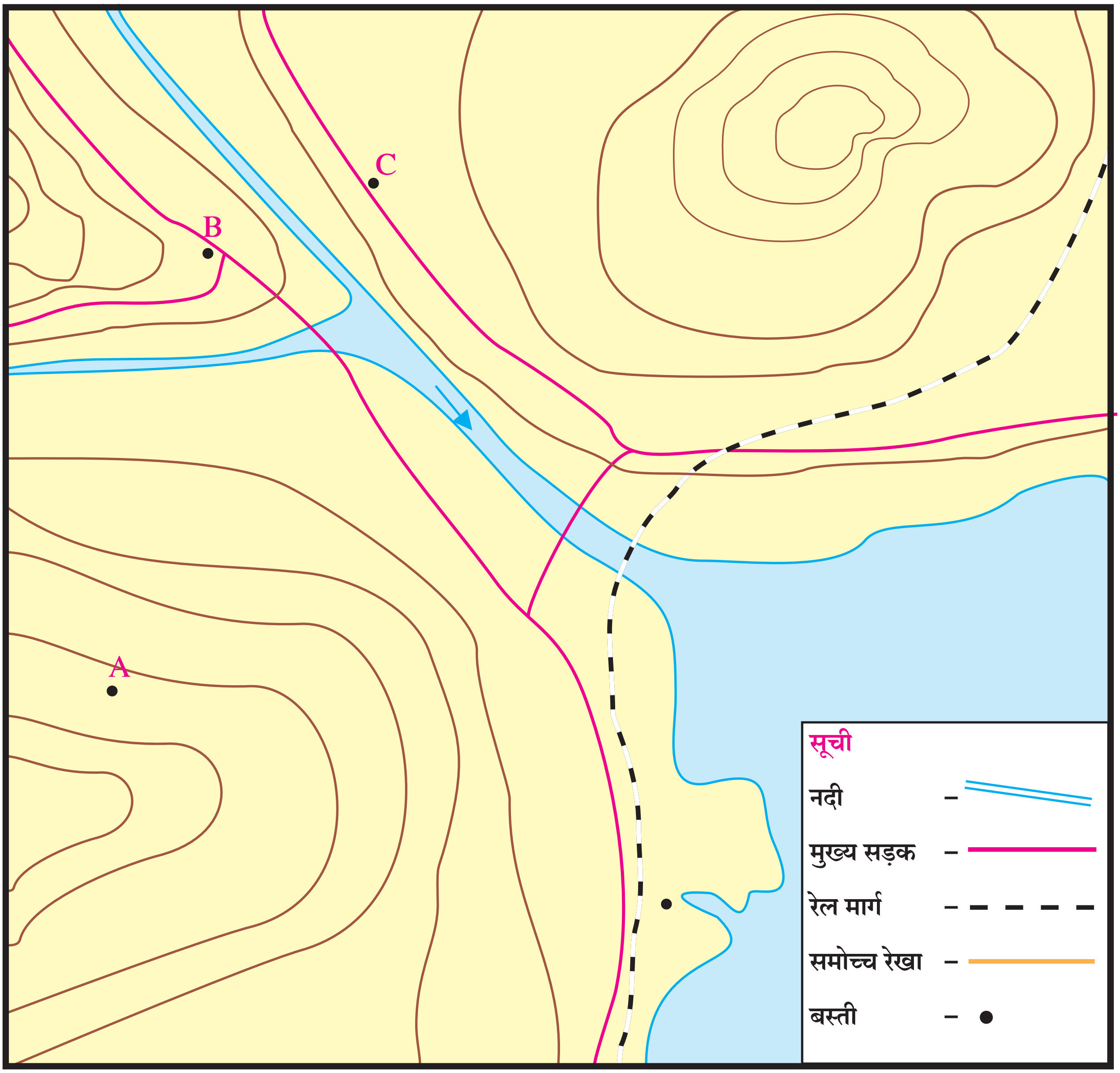

ICT का उपक्रम :

मोबाइल इंटरनेट पर गूगल से अपने गाँव, शहर के परिसर का मानचित्र प्राप्त करो। उसके आधार पर अपनी बस्ती की जानकारी, प्रकार एवं विशेषताएँ लिखो ।

✻✻✻